

# भारत का राजपत्र The Gazette of India



असाधारण  
EXTRAORDINARY  
भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 243  
No. 243 ]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 8, 2003/आश्विन 16, 1925  
NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 8, 2003/ASVINA 16, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

( वाणिज्य विभाग )

जाँच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 2003

**विषय:** ताइवान, यूरोपीय संघ तथा संयुक्त राज्य अमरीका (यूएसए) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित साइक्लोहेक्सानोन के आयात के संबंध में पाटनरोधी जाँच शुरू करना ।

सं. 14/17/2003-डीजीएडी.—सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन तथा संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के अनुसार, मै. गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड, बड़ोदरा, गुजरात ने निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक याचिका दायर की है जिसमें ताइवान, यूरोपीय संघ तथा यूएसए के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित साइक्लोहेक्सानोन के पाटन का आरोप लगाया गया है तथा पाटनरोधी जाँच शुरू करने और पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है।

## 1. विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान मामले में जाँचाधीन उत्पाद साइक्लोहेक्सानोन है जिसका रासायनिक फार्मूला सी<sub>6</sub>एच<sub>10</sub>ओ है (जिसे इसके बाद संबद्ध वस्तु भी कहा गया है)। यह कैप्रोलैक्टम की विनिर्माण प्रक्रिया में उत्पन्न होने वाला एक मध्यवर्ती उत्पाद है। साइक्लोहेक्सानोन का विनिर्माण बेंजीन से किया जाता है तथा यह एडिपिक एसिड के उत्पादन तथा नायलोन 6 के विनिर्माण में एक मध्यवर्ती के रूप में कार्य करता है। प्रमुखतः एडिपिक एसिड के उत्पादन तथा नायलोन 6 के विनिर्माण में मध्यवर्ती के रूप में प्रयोग में लाए जाने के अलावा यह लैकर्स, विशेषकर जिनमें पॉली विनायल फ्लोराइड सहित नाइट्रो सेल्यूलोस तथा विनाइल क्लोराइड पॉलिमर तथा को-पॉलिमर रेसिन होते हैं, के लिए विलायक तथा विरलक के रूप में भी प्रयोग में लाया जाता है। यह डीडीटी तथा कार्बनिक फास्फोरस युक्त कीटनाशक तथा जंतुनाशक औषधियों के लिए एक उत्तम विलायक है।

यह पिस्टन टाइप वायुयानों की लुब्रिकेशन के लिए तेल में गाढ़े विलायक के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। इसे सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के उपशीर्ष 29142200 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है जिसे “साइक्लोहेक्सानोन तथा मिथाइल साइक्लोहेक्सानोन” के रूप में वर्णित किया गया है। प्राधिकारी ने जाँच की अवधि के लिए डीजीसीआईएंडएस द्वारा उपलब्ध कराए गए सौदेवार आंकड़ों की जाँच की है और पाया है कि ऊपर उल्लिखित सीमाशुल्क उपशीर्ष के तहत मुख्यतः साइक्लोहेक्सानोन का आयात किया जा रहा है। मिथाइल साइक्लोहेक्सानोन जो उसी सीमाशुल्क उपशीर्ष के अंतर्गत वर्गीकृत है, को जाँच के कार्यक्षेत्र से बाहर रखा गया है। इस बात को ध्यान में न रखते हुए कि उत्पाद का आयात किस वर्गीकरण के अंतर्गत किया जा रहा है, जाँच की शुरुआत विचाराधीन उत्पाद के संबंध में शुरू की जा रही है। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है तथा किसी भी प्रकार से जाँच के कार्यक्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

## 2. घरेलू उद्योग की स्थिति

यह याचिका मै. गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लि. बड़ोदरा, गुजरात ने दायर की है। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि वे घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री करने वाले एकमात्र उत्पादक हैं। एक अन्य कंपनी मै. फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स ट्रावनकोर लि. (एफएसीटी) भी संबद्ध उत्पाद का उत्पादन करती है। तथापि, उसका उत्पादन केवल आबद्ध खपत के लिए किया जाता है तथा एफएसीटी से प्राप्त पत्र के अनुसार उन्होंने पिछले तीन वर्षों में संबद्ध वस्तु की कोई बिक्री नहीं की है। भारत में संबद्ध वस्तु का और कोई ज्ञात उत्पादक नहीं है। प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि याचिकाकर्ता, भारत में संबद्ध वस्तु के एक प्रमुख उत्पादक हैं जो भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन के एक बड़े हिस्से का उत्पादन करता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता नियम 2(ख) के अर्थ के अंतर्गत घरेलू उद्योग है तथा उपर्युक्त नियमों के नियम 5(3)(क) के अनुसार याचिका दायर करने के लिए सभी मानदंडों को पूरा करता है।

## 3. शामिल देश

वर्तमान जाँच में शामिल देश/क्षेत्र, ताइवान, यूरोपीय संघ तथा संयुक्त राज्य अमरीका है (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश/क्षेत्र भी कहा गया है)।

#### 4. समान वस्तु

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु, संबद्ध देशों/क्षेत्र के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु तथा संबद्ध देशों/क्षेत्र से निर्यातित वस्तु में कोई विशेष अंतर नहीं है। याचिकाकर्ता दावा करते हैं कि दोनों वस्तुएं, तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। इसलिए, वर्तमान जाँच के उद्देश्य के लिए, उपर्युक्त नियम के अर्थ के भीतर, याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तु को संबद्ध देशों/क्षेत्र से आयातित उत्पाद के समान वस्तु माना जा रहा है।

#### 5. सामान्य मूल्य

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि यह उत्पाद कैप्रोलैक्टम के उत्पादन में एक मध्यवर्ती उत्पाद है तथा याचिकाकर्ता के अनुसार निर्यात के देशों/क्षेत्र के घरेलू बाजारों में इस उत्पाद की बिक्री की वास्तविक कीमत के संबंध में कोई प्रकाशित सूचना उपलब्ध नहीं है। यूरोपीय संघ तथा ताईवान के मामले में सामान्य मूल्य का दावा, प्रमुख मानी जाने वाली टेकनॉन नामक एक पत्रिका द्वारा प्रकाशित “पॉलिएमाइड्स तथा इंटरमीडिएट्स” पत्रिका में दी गई कीमतों के आधार पर किया गया है। संयुक्त राज्य अमरीका के संबंध में याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि इस पत्रिका में ये कीमतें नहीं दी गई हैं। संयुक्त राज्य अमरीका के मामले में याचिकाकर्ता ने सामान्य मूल्य का दावा, “पॉलिएमाइड्स तथा इंटरमीडिएट्स” में प्रकाशित प्रमुख कच्चे माल बेन्जीन के आधार पर परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर, तथा याचिकाकर्ता की इष्टतम परिवर्तन लागत के आधार पर अन्य लागतों के अनुसार किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों/क्षेत्र से संबद्ध वस्तु के लिए दावा किए गए सामान्य मूल्य का पर्याप्त साक्ष्य मौजूद है।

#### 6. निर्यात कीमत

याचिकाकर्ता ने संबद्ध देशों/क्षेत्र से साइक्लोहेक्सानोन की निर्यात कीमत का दावा, डीजीसीआईएंडएस द्वारा उपलब्ध कराए गए आयात संबंधी आंकड़ों के आधार पर किया है। वर्गीकरण 29142200 के अंतर्गत आने वाले अन्य उत्पादों के आयातों को निर्यात कीमत की गणना के उद्देश्य से शामिल नहीं किया गया है। कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत निकालने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, निर्यातक देश में

अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन हैंडलिंग तथा पत्तन प्रभारों के लिए समायोजनों का दावा किया गया है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के लिए दावा की गई निर्यात कीमत तथा समायोजनों के लिए पर्याप्त साक्ष्य मौजूद है।

### **7. पाटन मार्जिन**

इस प्रकार के प्रथम दृष्टया साक्ष्य मौजूद है कि संबद्ध देशों/क्षेत्र में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्टया यह पता चलता है कि संबद्ध देशों/क्षेत्र के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है।

### **8. क्षति तथा कारणात्मक संबंध**

याचिकाकर्ता ने घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति के संबंध में विभिन्न मानदंडों के बारे में सूचना उपलब्ध कराई है। संबद्ध देशों/क्षेत्र से आयातों की मात्रा में वृद्धि, आयात कीमतों में गिरावट, संबद्ध देशों/क्षेत्र से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट, घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा तथा क्षमता उपयोग में गिरावट, घरेलू बिक्री कीमत में गिरावट, निवेश पर कम आय, नकारात्मक नकदी प्रवाह, कीमत कटौती, कीमत न्यूनीकरण तथा कीमत ह्रास, जैसे मानदंड प्रथम दृष्टया सामूहिक एवं संचयी रूप से यह इंगित करते हैं कि संबद्ध देशों/क्षेत्र से संबद्ध वस्तु के पाटन से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

### **9. पाटनरोधी जाँच का आरंभ**

उपर्युक्त पैराग्राफों को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी, संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आरोपित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा तथा उसके प्रभाव की पाटनरोधी जाँच आरंभ करते हैं।

### **10. जाँच की अवधि**

वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ जाँच की अवधि 1 अप्रैल, 2002 से 30 जून, 2003 तक की है।

### 11. सूचना देना

इस जाँच से संबंधित समझे जाने वाले संबद्ध देश के निर्यातकों और भारत के आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है कि वे निर्दिष्ट प्राधिकारी भारत सरकार, पाटनरोधी तथा संबद्ध शुल्क निदेशालय, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग, भारत सरकार, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 को निर्धारित प्रपत्र में तथा निर्धारित ढंग से संगत सूचना प्रस्तुत करें तथा अपने विचारों से अवगत कराएं ।

उपर्युक्त नियम 6(5) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जाँचाधीन उत्पाद के औद्योगिक प्रयोक्ताओं तथा प्रतिनिधिक उपयोक्ता संगठनों को भी अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है, जो पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध के बारे में जाँच से संगत सूचना प्रस्तुत कर सकते हैं । अन्य कोई हितबद्ध पार्टी भी नीचे दी गई समयावधि के भीतर निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से जाँच से संबंधित अनुरोध कर सकती है ।

### 12. समय सीमा

वर्तमान जाँच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए जो उपरोक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर पहुँच जानी चाहिए । तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है, उन्हें अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर सूचना देनी होगी । यह नोट किया जाए कि निर्धारित समय सीमा को बढ़ाने के लिए किसी भी प्रकार के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा ।

### 13. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पार्टी उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं । यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है या जाँच में अत्यधिक बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जाँच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं ।

एल. बी. सप्तऋषि, अपर सचिव

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****INITIATION NOTIFICATION**

New Delhi, the 8th October, 2003

**Subject:** Initiation of Anti-dumping Investigations concerning import of Cyclohexanone originating in or exported from Taiwan, European Union and United States of America (USA).

**No. 14/17/2003-DGAD.**—M/s. Gujarat State Fertilizers & Chemicals Limited, Vadodra, Gujarat has filed a petition before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 alleging dumping of Cyclohexanone originating in or exported from Taiwan, European Union and USA and has requested for initiation of anti-dumping investigations and levy of anti-dumping duties.

**1. PRODUCT UNDER CONSIDERATION**

The product under investigation in the present case is Cyclohexanone, having chemical formula  $C_6H_{10}O$  (henceforth referred to also as subject goods). It is an intermediate product generated in the process of manufacture of caprolactum. Cyclohexanone is manufactured from Benzene and it acts as an intermediate in the production of Adipic Acid and in the manufacture of Nylon 6. Besides, being used primarily as an intermediate in the production of Adipic Acid and in the manufacture of nylon 6, it is also used as a solvent and thinners for lacquers, especially those containing nitro cellulose or vinyl chloride polymer and co-polymer resins including poly vinyl chloride. It is an excellent solvent for DDT and organic phosphorus insecticides and pesticides. It is also used as a sludge solvent in oil for piston type aircraft lubrication. It is classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act under subheading 29142200 which is described as "Cyclohexanone and Methylcyclohexanones". The Authority has examined the transaction wise data provided by the DGCIS for the POI and it has found that

primarily Cyclohexanone is being imported under the Customs subheading mentioned above. Methyl cyclohexanone which is also classified under same Customs subheading is excluded from the scope of the investigations. Investigations are being initiated with respect to product under consideration irrespective of the classification under which they are being imported. Customs classifications are indicative only and in no way binding on the scope of investigations.

## **2. DOMESTIC INDUSTRY STANDING**

The petition has been filed by M/s Gujarat State Fertilizers & Chemicals Limited, Vadodra, Gujarat. The petitioner has claimed that they are the only producer selling the subject goods in the domestic market. Another company M/s. Fertilizers & Chemicals Travancore Limited (FACT) also produces the subject goods. However, the same is used for the captive consumption only and they have not sold any subject goods in the preceding three years as per the letter received from FACT. There is no other known producer of the subject goods in India. The Authority determines that the petitioner is a major producer of subject goods in India accounting for a major proportion of the production of the subject goods in India. The Authority notes that the petitioner constitutes a domestic industry within the meaning of the rule 2(b) and the petitioner satisfies the criteria of standing to file the petition in terms of Rule 5(3)(a) of the Rules supra.

## **3. COUNTRIES INVOLVED**

The countries/territory involved in the present investigation are Taiwan, European Union and USA (hereinafter also referred to as subject countries/territory).

## **4. LIKE GOODS**

The petitioner has claimed that goods produced by it are like articles to the goods originating in or exported from subject countries/territory. There is no significant difference in the subject goods produced by the petitioner and those exported from subject countries/territory. Petitioner claims that the two are technically and commercially substitutable. Therefore, for the purpose of present investigation, the goods produced by the petitioner are being treated as Like Articles of the product imported from the subject countries/territory within the meaning of the Rules, supra.

## **5. NORMAL VALUE**

The petitioner has claimed that the product is an intermediate product in production of caprolactam and according to the petitioner, no published information is available with regard to the actual transaction price at which the product is being sold in the domestic market in the exporting countries/territory. Normal value in the case of European union and Taiwan has been claimed on the basis of prices reported in the "Polyamides & Intermediates" a journal published by reportedly leading journal Tecnon. With regard to the USA, petitioner has claimed that prices are not reported in this journal. Petitioner has claimed normal value in the case of USA on the basis of cost of production in the USA, constructed on the basis of the major raw material, Benzene, in the USA, reported in the "Polyamide & Intermediate" and other costs on the basis of the most optimum conversion costs of the petitioner. The Authority notes that there is sufficient evidence of the Normal value claimed for the subject goods from the subject countries/territory.

## **6. EXPORT PRICE**

The Petitioner has claimed the export price of cyclohexanone from the subject countries/territory based on the import data provided by the DGCIS. Imports of the other products reported under the classification 29142200 have been excluded for the purpose of calculations of the export price. Adjustments have been claimed on account of ocean freight, marine insurance, inland transportation in the country of exports, port handling and port charges to arrive at the Export Price at ex-factory level. There is sufficient evidence of export price and the adjustments claimed for the subject goods from subject countries.

## **7. DUMPING MARGIN**

There is, prima facie, evidence that Normal Value of the subject goods in the subject countries/territory is significantly higher than the ex-factory export price indicating prima facie that the subject goods are being dumped by exporters from the subject countries/territory.

## **8. INJURY AND CAUSAL LINK**

Petitioner has furnished information on various parameters relating to material injury to the domestic industry. Parameters such as increase in volume of imports from subject countries/territory, decline in the import prices, increase in the market share of imports from subject countries/territory, decline in the market share of the domestic industry, decline in the sales volume and capacity utilization of the domestic industry, decline in the domestic selling price, low return in investment, negative cash flow, price undercutting, price depression and price suppression, prima facie, indicate collectively and



cumulatively that the domestic industry has suffered material injury on account of dumping of subject goods from subject countries/territory.

**9. INITIATION OF ANTI DUMPING INVESTIGATIONS**

The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country.

**10. PERIOD OF INVESTIGATION**

The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is 1<sup>st</sup> April 2002 to 30<sup>th</sup> June 2003 (15 months).

**11. SUBMISSION OF INFORMATION**

The exporters in the subject countries and the importers in India known to be concerned with this investigation are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority, Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties, Ministry of Commerce & Industry, Department of Commerce, Government of India, Udyog Bhavan, New Delhi – 11 00 11.

As per Rule 6(5) of Rule supra, the Designated Authority is also providing opportunity to the industrial users of the article under investigation, and to representative consumer organizations who can furnish information which is relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation within the time limit set out below.

**12. TIME LIMIT**

Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however required to submit the information within forty days from the date of the letter addressed to them separately. It may be noted that no request, whatsoever, shall be entertained for extension in the prescribed time limit.

**13. INSPECTION OF PUBLIC FILE**

In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties. In case where an interest party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

L. V. SAPTHARISHI, Addl. Secy.